

الأصل والعارض

في أحكام التجويد والقراءات

د. حاتم جلال التميمي

أستاذ مساعد بكلية القرآن والدراسات الإسلامية

جامعة القدس فلسطين

htamimi@is.alquds.edu

ملخص: تلقى الصحابة رضي الله عنهم القرآن عن النبي صلى الله عليه وسلم مشافهة، ولم تكن له قواعد مدونة، ثم جاء بعد ذلك العلماء ووضعوا للتجويد قواعد تضبطه وتسهل على الدارسين تعلمه وتعليمه.

لكن بعض الأحكام التي تتعلق بالتجويد لم توضع لها قواعد؛ ومن ذلك "الأصل والعارض"، فلم توضع لهما قواعد تبيّن متى يؤخذ بالأصل، ومتى يؤخذ بالعارض، ومتى يجوز الأخذ بهما. وفي هذا البحث استقرأ الباحث المواضع التي وردت في أحكام التجويد والقراءات مما يتصل بهذا الموضوع، وبيّن الحكم المأخوذ به في كل موضع. وحاول الباحث بعد استقراء تلك الأحكام وضع قواعد تضبط موضوع الأصل والعارض، وتيسر التعامل معه.

"Al-asl and Al-ared" in Rules of Reciting Quran" Tajweed"

Abstract : The prophet's companions received the Quran orally from him, so they had no written rules. In later eras the scholars sat up rules for *Tajweed* that adjust and facilitate reciting Quran for students and teachers. But some rules of *Tajweed* haven't had relevant standards yet; for example, "*Al-asl and Al-ared*" have no standards that clarify when to apply or ignore each of them.

In this research the writer followed profoundly the topics that are applied in the rules of *Tajweed* and the relevant variant "*readings*" of Quran, and clarified the taken rules in each position. The writer tried to test up rules that adjust the topic "*Al-asl and Al-ared*", and facilitate dealing with this topic.

تقديم :

الحمد لله، والصلاة والسلام على رسول الله، وآله وصحبه ومن والاه، وبعد :
خدمة القرآن الكريم، وبيان أحكامه، مهمة جليلة، وشرف عظيم. ولو صُرّفت الأعمار في تلك المهمة النبيلة لم يكن كثيراً. ولقد تسابق في ذلك المضممار فحول الرجال، وجهابذة العلماء، مبيّنين معانيه وأحكامه، ومبيّنين أحكام قراءته وتلاوته. وألفت في ذلك عشرات من الكتب، ولا يزال

- -

:

- -

() ()

()

()

()

()

[- /]

()

()

[- /]

()

()

/]

[-

:

. [/ -] :

. [/] . :

.

. [/ -] . :

. [/] :

:

:

. [:] [:] [:] [:]

. [- / -]

. [/ -]

[:] [:] :

[:]

:] [:] . [:]

. [:] [:] [

-

.

. [/ -] -

:

:

] [- /]

. [/

: . [:] _____ :

() : [:] _____ : ()

() : [:] _____ :

. [/] [/]

/]
 .[/ -] [
 () : [:] _____ : _____
 /] .
 .[
 _____ : .[:] _____ : _____
 : . () : .[:]
 () : .[:] _____ : .[/]
 / -] .
 .[/] [
 _____ : [:] _____ :
 () : [:]
 .[/]
 :
 :] :
 [
 .[/ -] [- / -]
 .[:] [:] : [/ -]
 [:] :
 :
 :
 :] _____ _____ :
 _____ .[] [] _____ .[
 .[:] _____ .[:] [:] _____ .[:] _____
 .[:] _____ .[:] _____ .[:] _____
 .[- :] _____ _____ .[:] _____
] [- / -]

.[/] [- / -

... () () ()

.[/]

— :

.[/] [- / -] [- / -]

.[/ -]

:
:

][/]
]
]

[:]

[:]

[/
[/] [/
[/

.[/ -]

/] [:]

[:]

:

.[

:

:] :

[:]

[:]

[

[/ -]

.[/ -]

.[/ -]

":()

.[/]"

:

:

.[/ -]

.[/ -] [/ -]

:

()

() () () :

.[/ -] [/ -]

[:]

.[/ -]

.[/ -]

- / -]

.[:]

:

« »

.[

]

() ()

:

.[/ -

.[/ -]

[:]

:

[:]

:

[:]

:

:

":

":

.[/ -]"

.....

....

....

.[/ -]"

":

.[/]"

:

.[/] [:] — [:] — :

.[/] [:] [:] [:] :

.[- /]

.[/ -]

:

[:] [:]

.....

]

: [:] [/

.[/]

:

:

[- :]

-

:

[/ -] [/ -]

[- :] ...

[/] [/] ()

:

[] :

[- /]

:

()

[:]

[:] [:]

:

-]

() [/] [- /

:

[/ -] [/ -]

[/ -] [/]

[:] [:] :

:

[- /] [- / -

:

[- /] [- / -] [:] -

:

[/] [/] [:] -

[/ -] [/ -]

[:] [:]
 . [/]

[/ -]

:

/ -] [:]

[/ -] [-

-]

[/] [/

() :

[:] :

[:] [:]

] [/]

_____ [:] _____ : [/

:] _____ : « » [:] _____

[

() :

[:] _____ :

« » [:] _____ [:] _____

[- / -]

.

[:] _____ :

[/ -]

() :

:

[:] _____ : [:] _____

.

/] [- / -]

[:] [:] : [

[:] :

[:] :
.[/]

:] :

[:] [:] [

/] [/ -]

. [/] [

. [/]

[:] :

/ -]

[:]

[:]

[:]

. [- /]

[-

[:]

[:]

:

() () :

() ()

() :

()

[/ -]

[/ -]

[/ -] [/]

:

[:] [:] [:] () ()

[/] [- / -]

:

:

[/] [/ -]

[:] [:] [:]

[:] : [/ -] [- / -]

[:] : [- :]

[/]

[/ -]

[/ -]

[/ -]

: [/]
 .[:] [:]
 [:] :
 .[/ -] .[:]
 .[/] [/ -]
 .[/]
 :
 -] [: :] .[/]
 [: :]
 .[/ -]
 « » [:] :
 .« » [:]
 .[/ -] [/ -]
 .[: : :]
 ()
 .[/ -] [/ -]
 .[/ -] [/ -]

[:] — : ()
.[- / -] [/ -]

— : ()

() [:] — : [:]
.[- / -] [/ -] [:] — :

:
:
:

[:] [:]
[/ -]

— :
.[:] [:] — . [:] [:]
[:] — [:] —

() () :
/ -] ()
-] — — [/] . [/

[/] [/ -]
() :
()

.
 .[- / -]
 :
 :
 [:] :
 [:] [:] : .[:]
 .
 [:] :
 - [:]
 -] [:] [:]
 .[/
 .[/] [/]
 :
 :] :
 [:] [:]
 :] [:] :
 .
 .[
 :
 :] [:]
 - / -] [:] .[/] [:] .[/ -] [:]
 .[
 .
 .
 :
 :
 :
 :

.[/ -]
 -] [/] - - .[/
 :
 -] [:] : [:] [:]
 .[/
 - -
 .[:] [:] [- :] * :
 :
 :
 : « »
 : [:] : [:]
 [:]
 .[/] [/ -]
 .
 .[/] [/ -]
 .
 :
 .[:] — : :
 .[/] [- / -][:] — :
 .
 .[- / -] .
 :

: [:] : :
 : [:] : [:]
 .[/ /] .[:]
 .[/ -]
 :
 [:]
 [:]
 [:]
 [:]
 :
 : [:] [:]
 .[/ -] [/] . [:] [:]
 .[/ -] [/ -]
 : () :
 / -]
 . [/ -] [:]
 / -]
 . [/ -] [:]
 : :
 .[:]
 :
 :
 [:] :

[:] [:]

[/]

[/ -]

.

:

..... () () () :

[- / -]

.

.

.

[:] [:] :

.

[:] :

[:] [:] :

[/ -] [:]

[/ -] [:] [:]

- [- /] [:]

-

[/ /]

:

:

[:] [:] [:]

[:]

:
 ()
 [] :
 [/] [:] : [:] :
 : [/ -]
 :] [:] [:]
] [/] [:] [:] [/ -]
 /] ()
 . [:
 :
 :
 — :
 . [/] [/] [:]
 [/] [/]
 . [/ -] « » « »
 — — :
 — [:] —
 : [/ -] [/] [:]
 . [/] () [:]
 . [/] [/ -]
 . [/]
 . [- /] [/]

:

[:] . [:] . [:] : .

. [- /

:

] () ()

. [- /] [- / -

[:] [:] [:] [:] : « »

. [/] [/ -]

:

[:] : ()

. [/] [/]

[- / -] [:]

. [/]

:

. [/] [/]

[- :] [:] :

[:] [:] :

:

:] :
 [:] [:] [:] [:]
 [/]
 .[/ -] [/]
 : [/]
 [/ -]
 .[/ -]
 :
 :
] [:] : [:]
 () () . [/]
 .
 .() ()
 :
 -
 :] [:] [:] [:] :
 - [:] [:]
 () :
 .[/] :
 :
 :
 [:] [:] :
 .[/] [- /] [/ -] [/ -]
 () ()
 .[/] [/] [/]
 :

()

« »

- []

[] .

[] .

-[]

: .

-

[] .

-

] .

-

[

-

: .

-

() .

:

-[]

[] .

:

-

-

:

-

: .

-

[] .

-

:

-

[].